मिगसर की पाँचम है आई सजेगा फिर दरबार बाबोसा भजन

मिगसर की पाँचम है आई,
सजेगा फिर दरबार,
बाबोसा के होंगे दर्शन,
ऑन लाइन इस बार,
हो भक्तो भूल न जाना,
चुरू धाम घर को बनाना,
मिगसर की पाँचम हैं आई।bd।

तर्ज – स्वर्ग से सुंदर सपनो से।

आई है अंगना हमारे,
रुत ये सुहानी,
मिगसर पांचम की ये,
अमिट कहानी,
राजतिलक हुआ बाबोसा का,
शुभ दिन बना त्यौहार,
बाबोसा के होंगे दर्शन,
ऑन लाइन इस बार,
हो भक्तो भूल न जाना,
चुरू धाम घर को बनाना,
उत्सव है ये सुहाना,
ऑन लाइन दर्शन करना,
मिगसर की पाँचम हैं आई।bd।

तमन्ना जो मन मे भक्तो,
रहे ना अधूरी,
आन लाइन करना इस,
साल आस पूरी,
झूम नाचकर खुशियाँ मनाना,
संग हो सारा परिवार,
बाबोसा के होंगे दर्शन,
ऑन लाइन इस बार,
हो भक्तो भूल न जाना,
चुरू धाम घर को बनाना,
उत्सव है ये सुहाना,
ऑन लाइन दर्शन करना,
मिगसर की पाँचम हैं आई।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कोरोना के चलते किया,
सारा इंतजाम है,
दुख में भी ना भूले हम,
बाबोसा का नाम है,
मंजू बाईसा कहती है 'दिलबर',
आयेगे हम चुरू धाम,
बाबोसा के होंगे दर्शन,
ऑन लाइन इस बार,
हो भक्तो भूल न जाना,
चुरू धाम घर को बनाना,
उत्सव है ये सुहाना,
ऑन लाइन दर्शन करना,
मिगसर की पाँचम हैं आई।bd।

मिगसर की पाँचम है आई,
सजेगा फिर दरबार,
बाबोसा के होंगे दर्शन,
ऑन लाइन इस बार,
हो भक्तो भूल न जाना,
चुरू धाम घर को बनाना,
मिगसर की पाँचम हैं आई।bd।

लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com